समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

अविनाश मालुंजकर – संघर्ष से सफलता तक का प्रेरणादायक सफर

Sanket Morankar Published on 23 Feb 2026

सफलता कभी भी रातों-रात नहीं मिलती। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, संघर्ष, धैर्य और खुद पर अटूट विश्वास छिपा होता है। अविनाश एकनाथ मालुंजकर ने अपने जीवन में इन्हीं मूल्यों को अपनाकर यह साबित किया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। एक साधारण परिवार से निकलकर आज उन्होंने इंडस्ट्रियल, ऑयल और गैस क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उनका सफर केवल व्यवसायिक उपलब्धियों का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास का प्रतीक है।

अविनाश का बचपन सामान्य परिस्थितियों में बीता। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित थी, लेकिन सपने बड़े थे। उन्होंने शुरू से ही तय कर लिया था कि जीवन में कुछ अलग और बड़ा करना है। तकनीकी क्षेत्र में रुचि होने के कारण उन्होंने इंजीनियरिंग क्षेत्र में कदम रखा और केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल अनुभव पर भी जोर दिया।

नौकरी के शुरुआती दिनों में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कम वेतन, अधिक कार्यभार और साइट पर कठिन परिस्थितियाँ – यह सब उनके लिए रोजमर्रा की बात थी। कई बार आर्थिक परेशानियाँ आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मानना है –
“हर कठिनाई हमे आने वाली सफलता के लिए तैयार करती है।”

इंडस्ट्रियल, ऑयल और गैस क्षेत्र में काम करते हुए उन्होंने कई बड़ी MNC कंपनियों के साथ कार्य किया। वेल्डिंग इंस्पेक्शन, NDT, क्वालिटी कंट्रोल और साइट सुपरविजन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ उन्होंने कुशलता से निभाईं। मात्र 2–3 वर्षों में 2000 से अधिक प्रोजेक्ट्स पूरे करके उन्होंने उद्योग में अपनी विश्वसनीय पहचान स्थापित की।

यही अनुभव आगे चलकर उनके उद्यमिता के निर्णय का आधार बना।

अपने अनुभव और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने **Avi’s Engineering and Consultancy** की स्थापना की। शुरुआत बेहद चुनौतीपूर्ण रही। क्लाइंट्स का विश्वास जीतना, समय पर भुगतान प्राप्त करना और बाजार में पहचान बनाना आसान नहीं

था।

कई बार कोटेशन देने के बाद भी काम नहीं मिलता था। कुछ प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद भुगतान में देरी होती थी। लेकिन अविनाश ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने गुणवत्ता और ईमानदारी को अपने व्यवसाय की नींव बनाया।

इस पूरे सफर में उनके भाई राकेश मालुंजकर ने मजबूत स्तंभ की भूमिका निभाई। कठिन समय में मानसिक सहयोग, महत्वपूर्ण निर्णयों में सलाह और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में साथ – यह सब उनके लिए बहुत बड़ी शक्ति साबित हुआ।

आज दोनों भाई मिलकर व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका मानना है –
"अकेले सफलता मिल सकती है, लेकिन साथ हो तो सफलता और भी मजबूत और स्थायी बनती है।"

Avi's Engineering and Consultancy ने अल्प समय में 2000+ प्रोजेक्ट्स पूरे किए और सेवा क्षेत्र में 70 लाख रुपये से अधिक का टर्नओवर हासिल किया। यह उपलब्धि निरंतर मेहनत, समय पर काम की पूर्ति और क्लाइंट के साथ पारदर्शी संबंधों का परिणाम है।

अविनाश का मानना है कि व्यवसाय में टिके रहने के लिए लगातार अपडेट रहना आवश्यक है। बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, ग्राहकों की अपेक्षाएँ भी लगातार बदल रही हैं। इसलिए वे नए तकनीकी कौशल, प्रमाणपत्र और आधुनिक प्रबंधन पद्धतियाँ सीखते रहते हैं।

अविनाश मालुंजकर आज कई युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुके हैं। साधारण पृष्ठभूमि से आकर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना यह दर्शाता है कि यदि व्यक्ति में मेहनत और दृढ़ निश्चय हो, तो वह किसी भी परिस्थिति को बदल सकता है। वे युवाओं को संदेश देते हैं कि पहले अनुभव हासिल करें, कौशल विकसित करें और फिर सही समय पर अपना व्यवसाय शुरू करने का साहस करें।

उनकी मेहनत और उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित
"Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025" पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान Reseal.in और India Fashion Icon Magazine द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह मंच महाराष्ट्र के उभरते हुए उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान देने का कार्य कर रहा है।

इस भव्य कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्रियाँ Varsha Usgaonkar, Sonalee Kulkarni और Prarthana Behere अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँगी।

यह कार्यक्रम Sudhir Kumar Pathade (Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.) के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।

अविनाश मालुंजकर की कहानी हमें यह सिखाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति में लगन, मेहनत और परिवार का सहयोग हो तो सफलता निश्चित है। उनका जीवन संघर्ष से सफलता तक की एक ऐसी प्रेरक गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने का साहस देती रहेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.